# दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 183 रविवार 26 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com


## एक नजर

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देशवासियों, भारतीय बस्ती दैनिक के पाठकों, शुभेच्छुओं विज्ञापनदाताओं वितरकों सहित जन–जन को मंगलकामना।– **सम्पादक**

### अवकाश

गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारतीय बस्ती दैनिक प्रेस एवं कार्यालय बंद रहेगा। अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा।

– व्यवस्थापक

## मण्डलायुक्त ने दिलाया मतदाता दिवस की शपथ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयुक्त कार्यालय समागार में मतदाता दिवस की शपथ दिलाया। इस अवसर पर उन्होने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने मत का प्रयोग जाति, धर्म, प्रलोभन से हटकर निर्भिक होकर मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। उन्होने कहा कि वोट देना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है, सोच समझकर अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। भारत एक लोकतांत्रिक देश है, सबके मतो का ताकत एक समान है, सबको वोट देने का अधिकार है।

उन्होने कहा कि जो 18 वर्ष के हो गए हैं, वह युवा अपना वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाएं ताकि वह अपने मत का प्रयोग कर सके। इस अवसर पर अपर आयुक्त (प्रशासन) राजीव पांडेय, उपनिदेशक पंचायत समरजीत यादव, मण्डलीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी इन्द्रेश प्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी संतोष कुमार पाण्डेय, न्याय सहायक रमेश चन्द्र कन्नौजिया, वैयक्तिक सहायक बजरंग बली पाण्डेय, मण्डलीय सांख्यिकी अधिकारी प्रवीण चौधरी, नाजिर अनुपम कुमार चौधरी, संग्रह सहायक राजेश रसाल, आलोक सिंह, ओम प्रकाश चौधरी, शमीम अहमद, संदीप यादव, अमित उपाध्याय, शैलेश कुमार श्रीवास्तव, सौरभ कुमार, शलभ श्रीवास्तव, सुहेल अहमद, आफताब अहमद, संजय कुमार श्रीवास्तव आदि अधिकारी–कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ सहायक जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने किया।

## स्वच्छता भी एक राष्ट्र सेवा– नीलम सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । स्वच्छता भी एक राष्ट्र सेवा है । स्वच्छ नगर से ही स्वस्थ नगर और समृद्ध नगर की कल्पना साकार हो सकेगी। आज शिवाजी नगर वार्ड के गोसाई जोत में आयोजित विशेष स्वच्छता अभियान का नेतृत्व करने पहुंची नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने उक्त बातें कहीं। उन्होंने नगर को देश का एक मॉडल नगर पंचायत बनाने में सभी से सहयोग की अपील किया। इस अवसर पर श्रीमती राना ने जहां स्वयं झाड़ू लगाकर नागरिकों को जागरूकता का संदेश दिया वहीं सैकड़ों महिलाओं को निःशुल्क डस्टबिन भी वितरित किया। उन्होंने कहा कि नगर देश की इकलौती नगर पंचायत है जहां प्रत्येक महीने के अन्तिम शनिवार को एक वार्ड में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाता है।सके बाद उन्होंने नगर पंचायत की तरफ से महिलाओं को निःशुल्क डस्टबिन वितरित किया। सफाई अभियान में सभासद प्रतिनिधि तुलसीराम, डॉ अनिल श्रीवास्तव, देवेश धर द्विवेदी, चन्द्र मणि मिश्रा, राजेश त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या सभासद और आस पास के लोग मौजूद रहे।

# महाकुंभ हमारी विरासत की अभिव्यक्ति संविधान एक जीवंत दस्तावेज–राष्ट्रपति

**नई दिल्ली (आभा)।** गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सबसे पुरानी सभ्यताओं में से ए एक भारत को कभी ज्ञान और बुद्धिमत्ता के स्रोत के रूप में जाना जाता था। राष्ट्रपति ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व हमेशा से हमारी सभ्यतागत विरासत का हिस्सा रहे हैं। संविधान एक जीवंत दस्तावेज बन गया है, क्योंकि नागरिक मूल्य सहस्राब्दियों से हमारे नैतिक मूल्यों का हिस्सा रहे हैं। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा, श्श्महाकुंभ हमारी सभ्यतागत विरासत की समृद्धि की अभिव्यक्ति है।संबोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा, संविधान भारतीय के रूप में हमारी सामूहिक पहचान को अंतिम आधार प्रदान करता है, यह हमें परिवार के रूप में एक साथ जोड़ता है। सरकार ने कल्याण की अवधारणा को नए सिरे से परिभाषित किया है, बुनियादी आवश्यकताओं को अधिकार का विषय बना दिया है।श्श राष्ट्रपति ने राष्ट्र के नाम संबोधन में यह भी कहा कि साहसिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधार आने वाले वर्षों में इस प्रवृत्ति को बनाए रखेंगे। हम औपनिवेशिक मानसिकता को बदलने के लिए हाल में ठोस प्रयास देख रहे हैं। शिक्षा की गुणवत्ता, भौतिक अवसंरचना और डिजिटल समावेशन के मामले में पिछले दशक

## –गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति मुर्मू का संदेश

में शिक्षा में काफी बदलाव आया है।

गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए राष्ट्रपति ने कहा, 75 वर्ष पहले, 26 जनवरी के दिन ही, भारत गणराज्य का आधार ग्रंथ यानी भारत का संविधान, लागू हुआ था। लगभग तीन वर्ष के विचार–विमर्श के बाद, संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 के दिन संविधान को अंगीकृत किया था। इसी उपलक्ष में 26 नवंबर का दिन, वर्ष 2015 से संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है।' विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में शामिल भारत को, ज्ञान और विवेक का उद्गम माना जाता था। लेकिन, भारत को एक अंधकारमय दौर से गुजरना पड़ा। औपनिवेशिक शासन में, अमानवीय शोषण के कारण देश में घोर गरीबी व्याप्त हो गई।

उन्होंने कहा, ''हमारा संविधान एक जीवंत दस्तावेज इसलिए बन पाया है क्योंकि नागरिकों की निष्ठा, सदियों से, हमारी नैतिकता–परक जीवन–दृष्टि का प्रमुख तत्व रही है। हमारा संविधान, भारतवासियों के रूप में, हमारी सामूहिक अस्मिता का मूल आधार है जो हमें एक परिवार की तरह एकता के सूत्र में पिरोता है। पिछले 75 वर्षों से, संविधान ने हमारी प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया है। आज के दिन, हम, संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉक्टर भीमराव आंबेडकर, सभा के अन्य प्रतिष्ठित सदस्यों, संविधान के निर्माण से जुड़े विभिन्न अधिकारियों और ऐसे अन्य लोगों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिनके कठिन परिश्रम के फलस्वरूप हमें यह विलक्षण ग्रंथ प्राप्त हुआ।''

उन्होंने आगे कहा, ''सरकार द्वारा वित्तीय समावेशन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, इसलिए प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, मुद्रा योजना, स्टैंड–अप इंडिया और अटल पेंशन योजना जैसी वित्तीय समर्थन योजनाओं का विस्तार किया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक विभिन्न प्रकार की वित्तीय सहायता पहुंचाई जा सके।

# सनातन धर्म विराट वट वृक्ष–योगी

**प्रयागराज (आभा)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को महाकुंभ मेले को एकता का संदेश देने वाला तथा देश और दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन बताया। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म एक विराट वट वृक्ष है और इसकी तुलना किसी झाड़ और झंखाड़ से नहीं होनी चाहिए।

प्रयागराज दौरे पर आए मुख्यमंत्री ने शनिवार को अखिल भारतीय अवधूत भेष बारह पंथ–योगी महासभा द्वारा आयोजित संत–सम्मेलन में हिस्सा लिया। योगी ने कहा, श्दुनिया के अंदर अन्य संप्रदाय हो सकते हैं, उपासना विधि हो सकती है, लेकिन धर्म तो एक ही है और वह है सनातन धर्म। यही मानव धर्म है। भारत में जितनी भी उपासना विधियां हैं वह अलग पंथ और संप्रदाय से भले ही जुड़ी हों, लेकिन निष्ठा और आस्था सब की सनातन धर्म से जुड़ी हुई है। सबका उद्देश्य तो एक ही है। इसलिए महाकुंभ के इस पावन आयोजन पर हम सबको पूरी दुनिया से आए लोगों को एक ही संदेश देना है, जिसके बारे में प्रधानमंत्री जी का कहना है कि महाकुंभ का संदेश, एकता से ही अखंड रहेगा देश।

उन्होंने कहा कि याद रखना, भारत सुरक्षित है तो हम सब सुरक्षित हैं। भारत सुरक्षित है तो हर पंथ, हर संप्रदाय सुरक्षित है और अगर भारत के ऊपर कोई संकट आएगा तो सनातन धर्म पर संकट आएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन धर्म पर संकट आएगा तो भारत के अंदर कोई भी पंथ और संप्रदाय अपने आप को सुरक्षित महसूस ना करे।

## मतदाता जागरूकता अभियान में दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के पुनीत अवसर पर जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रवीश गुप्ता ने राजकीय बालिका इण्टर कालेज में मतदाता दिवस की शपथ दिलायी। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन कर किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश शुक्ल ने जिलाधिकारी को बुके तथा प्रधानाचार्या संघिता चौधरी ने अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान व मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। विद्यालय की बालिकाओं द्वारा मनमोहक मतदाता जागरूकता गीत प्रस्तुत किया गया।

जिला सूचना कार्यालय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जिला सूचना अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा ने उपस्थित समस्त अधिकारी–कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलायी। उन्होने कहा कि निर्वाचन के दौरान अपने–अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें तथा लोगों को भी मतदान के प्रति जागरूक करे। इस अवसर पर जिला सूचना कार्यालय के प्रचार सहायक अश्वनी तिवारी, अब्दुल हक, ओम प्रकाश, विद्यावती एवं जगदीश प्रसाद उपस्थित रहें।


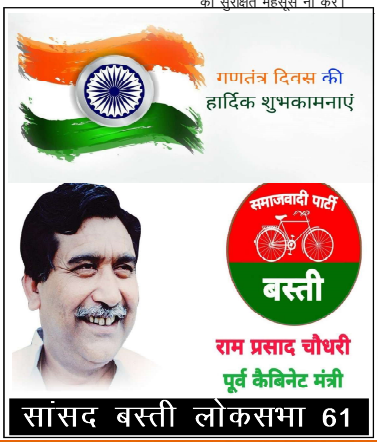

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 26 जनवरी 2025 रविवार

## सम्पादकीय

# गणतंत्र के 76 वर्ष

26 जनवरी, 2025 देश का 76 वां गणतंत्र दिवस यह स्पष्ट करता है कि विकास यात्रा निरन्तर चुनौतियों के बीच गतिमान है। इस लम्बे समय में हमने जो कुछ पाया और खोया है, उसके बारे में परस्पर विरोधी भावनाएं हैं। इस मामले में "क्या खो गया" प्रश्न गलत प्रतीत होता है। क्योंकि जिसने पा लिया वह खो गया। हमारा गणतंत्र और हमारी स्वतंत्रता दोनों ही नये थे। इस प्रकार, हमने इसकी खोज की। स्वाभाविक रूप से, जो को उतना नहीं मिला जितना वह हकदार था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, एक गणतंत्र की स्थापना हुई। इस स्वतंत्रता और गणतंत्र को बचाए रखने की क्षमता सबसे बड़ी उपलब्धि है। पिछले 25 वर्षों से हम लगातार सीमापार छद्म संघर्षों तथा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के बावजूद अपने देश की विविधता और एकता को बनाए रखने में सफल रहे हैं।

भारत को मुख्यतः तीन प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। भारतीय समाज की विविधता को ध्यान में रखते हुए भारत को एकजुट करने का रास्ता खोजना पहली और सबसे बड़ी चुनौती थी। आकार और विविधता की दृष्टि से भारत किसी भी महाद्वीप के बराबर था। विविध संस्कृतियों और धर्मों के अलावा, कुछ लोग अलग–अलग बोलियाँ भी बोलते हैं। उस समय लोगों का मानना था कि इतनी विविधता वाला देश लंबे समय तक एकजुट नहीं रह सकता। एक तरह से देश के विभाजन को लेकर लोगों की आशंकाएं सच हो गईं। क्या भारत अपनी एकता बनाये रख पायेगा? क्या यह अन्य लक्ष्यों की अपेक्षा राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता देगा? क्या ऐसी क्षेत्रीय और उप–क्षेत्रीय पहचान को अस्वीकार कर दिया जाएगा? उस समय का सबसे ज्वलंत और पीड़ादायक प्रश्न यह था कि भारत की क्षेत्रीय अखंडता को कैसे बनाए रखा जाए। इससे देश के भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गईं। लोकतंत्र को अक्षुण्ण बनाए रखना दूसरी चुनौती थी। भारतीय संविधान के बारे में सभी जानते हैं। जैसा कि आप जानते हैं, संविधान के तहत प्रत्येक नागरिक को वोट देने का अधिकार और मौलिक अधिकार प्राप्त हैं। भारत ने प्रतिनिधि लोकतंत्र के अंतर्गत संसदीय शासन को अपनाया। इन गुणों से यह सुनिश्चित हो गया कि राजनीतिक चुनाव लोकतांत्रिक वातावरण में होंगे। यद्यपि लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए लोकतांत्रिक संविधान आवश्यक है, परंतु यह अपर्याप्त है। संविधान के अनुसार लोकतांत्रिक व्यवहार लागू करना एक और चुनौती थी। तीसरी कठिनाई विकास की थी।

गणतंत्र दिवस पर हम आत्मचिंतन करते हैं और सोचते हैं कि हमने क्या खोया और क्या पाया। गणतंत्र दिवस पर हम अपनी उपलब्धियों और असफलताओं का आकलन करते हैं। इसके अलावा, हम भविष्य में आने वाली चुनौतियों और लक्ष्यों पर भी विचार करते हैं। अब समय आ गया है कि हम रुककर सोचें कि वर्षों की इस यात्रा में हमने क्या खोया और क्या पाया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से भारत ने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है। भारत ने साहित्य, खेल, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारत ने अपनी विविध संस्कृति को संरक्षित करते हुए उसे गहरा अर्थ दिया है। भारत विकास में आगे बढ़ गया है। सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सैन्य, खेल और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में राष्ट्र ने अपनी पहचान स्थापित की है। इस विकास यात्रा में नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। वर्तमान में भारत को एक मजबूत देश माना जाता है। यह इस क्षण में नहीं है। आज विश्व की नजर भारत पर है। देश ने अपने आंतरिक मुद्दों और कठिनाइयों के बावजूद पिछले वर्षों में कुछ ऐसा हासिल किया है जो विश्व को आकर्षक लगता है। ऐसी कुछ बातें हैं जिन पर राष्ट्र को गर्व हो सकता है, और ऐसी कुछ बातें भी हैं जिन पर खेद व्यक्त किया जा सकता है। यदि किसी लोकतांत्रिक देश में सामाजिक–आर्थिक असमानता बनी रहती है, तो यह राजनीतिक समानता को भी निगल जाती है, भले ही औपचारिक और कानूनी राजनीतिक समानता बरकरार रहे। आज का भारत काफी हद तक इसकी पुष्टि करता है। आज हमारा संविधान विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त है। भ्रष्टाचार, बलात्कार, प्रदूषण, जनसंख्या नियंत्रण जैसी अनेक समस्याओं ने भारत माता को रक्तरंजित कर दिया है। आज भी हमारा गणतंत्र कुछ कंटीली झाड़ियों में फंसा हुआ नजर आता है।

युवाओं में असंतोष और क्रोध बढ़ रहा है। उन्हें गलत दिशा में चलने के लिए मजबूर किया जाता है। चुनाव संबंधी भ्रष्टाचार और बल के दुरुपयोग ने इसे विकृत कर दिया है। येन–केन युग के सत्ता संघर्ष ने राजनीति को अवैध बना दिया है। सामाजिक बुराइयों से निपटने के लिए कोई ठोस योजना नहीं है। कुछ स्थानों पर यह चिंताजनक रूप से उभर कर सामने आया है। दलितों के विरुद्ध अत्याचार बढ़ गए हैं, साथ ही जातिगत भेदभाव भी बढ़ गया है। उनकी महिलाओं पर हमले और बलात्कार की घटनाएं बढ़ गयी हैं। प्रांतीयता और जातीयता का जहर अभी भी वातावरण में मौजूद है। लोग खुद को भारतीय कहने के बजाय बंगाली, बिहारी, गुजराती, पंजाबी, तमिल, कन्नड़ आदि के रूप में पहचानते हैं। इसके अलावा वे अलग–अलग जातियों में विभाजित भी दिखाई देते हैं। जातीय सेनाओं की हिंसा चिंताजनक है। कर्ज, भुखमरी, भारी बारिश, बाढ़ और अन्य कारण किसानों को आत्महत्या के लिए प्रेरित कर रहे हैं। विस्थापित लोगों के पास पर्याप्त आवास और रोजगार नहीं है। नक्सलवाद का इतिहास इसका प्रमाण है। आजकल महिलाएं और लड़कियां पहले से कहीं अधिक असुरक्षित हैं तथा बलात्कार की घटनाएं लगातार हो रही हैं। हमारे नेताओं द्वारा की गई खेदजनक टिप्पणियों से हमारा मनोबल और भी गिर गया है। हमारे संविधान के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूल सिद्धांत का अभी भी उल्लंघन किया जा रहा है। यह एक चेतावनी संकेत है. हमें पीछे धकेलना चाहिए. इस महत्वपूर्ण अवसर को अब एक परियोजना का रूप देने की आवश्यकता है, क्योंकि हमने इसे अभी केवल संगठनात्मक रूप दिया है।

# गणतंत्र की विकास यात्रा और संविधान

–ललित गर्ग–

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद ने भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इसने ब्रिटिश शासन के भारत सरकार अधिनियम 1935 को पूरी तरह खत्म कर दिया और अपना स्वतंत्र संविधान इसी दिन लागू किया। इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इस वर्ष की थीम 'स्वर्णिम भारत– विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। किसानों, शिक्षकों, न्यायविदों, मजदूरों, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और इंजीनियरों की विविध भूमिकाओं की सामूहिक शक्ति हमारे देश को 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' की भावना के अनुरूप आगे बढ़ने में सक्षम बना रही है। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के साथ–साथ पूरे भारत से कई ऐसे लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है जिन्होंने अपने गांव, समाज एवं राष्ट्रमें विकास के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है, इस तरह इस बार गणतंत्र दिवस समारोह ऐसे अनेक नये प्रयोगों एवं प्रदर्शनों का साक्षी बन रहा है।

भारतीय संविधान दुनिया का सबसे विशिष्ट संविधान माना जाता है। भारत की संविधान सभा ने दुनिया के सभी संविधानों का अध्ययन किया और हर संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को अपने संविधान में शामिल किया। नागरिक स्वतंत्रता के जितने अधिकार भारतीय संविधान में हैं उतने दुनिया के किसी अन्य संविधान में नहीं। भारतीय संविधान की दूसरी विशेषता संविधान की विशालता एवं समग्रता है। भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता का प्रावधान तो है लेकिन इसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्मानुसार आचरण करने की पूरी स्वतंत्रता है। इसमें नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य की स्पष्ट विवेचना है। इसमें संघात्मकता भी है और एकात्मकता भी है। भारतीय संविधान में सत्ता चयन के लिये संसदीय प्रणाली को सुनिश्चित किया है तथा संचालन के लिये विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसे तीन अंग सुनिश्चित किये। भारतीय संविधान में केंद्र और राज्य सरकार के बीच विषयों और कार्यों का स्पष्ट विभाजन है। केन्द्र सरकार को कुछ आपात अधिकार भी दिये गये हैं जिससे वह केन्द्र राज्य में हस्तक्षेप कर सकता है। इतने अनूठे, विलक्षण एवं समग्र संविधान के बावजूद छिहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा रहा। लेकिन अब इन राष्ट्रीय पर्वों को मनाते हुए संप्रभुता का अहसास होने लगा है। गणतंत्र का जब हम जश्न मनाते हैं, तो उसमें कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी जागती है तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचौनी भी दिखती है। हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास मुखर होता है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी सामने आती है। अब होने लगा है हमारी स्व–चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व–पहचान का अहसास। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक, सामुदायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थ की सुनहरी छटाएं हैं।

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी–तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी हैं। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो आखिर क्यों! क्यों हम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सुदृढ़ता नहीं दे पाये हैं? क्यों गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेरे रखा है? यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा–शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन–व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वात्मना नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है। बावजूद अभी भी देश की राजनीति अनेक विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से घिरी है। यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति–नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त–मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, तीनों प्रमुख राजनीतिक दल नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं।

एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़–संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरु करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके तीसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही है, कुछ समय पूर्व हमने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के मन्दिर के शिलान्यास का दृश्य देखा। काशी में विश्वनाथ धाम का जो विकास हुआ है, उसे देखा। इनदिनों प्रयागराज में महाकुंभ का दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक अनुष्ठान होते हुए हम देख रहे हैं। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा–दिशा बदल सकती है। कैसे देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर किया जा सकता है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पडौसी देशों को चेता सकती है, कैसे दुनिया की महाशक्तियों के बीच भी अडिग खड़ी रह सकती है? कैसे स्व–संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए भारत में धर्मस्थलों और तीर्थों के विकास की किसी भी पहल की भी प्रशंसा होनी ही चाहिए। महाकुंभ की एक चमत्कारपूर्ण एवं विलक्षण आभा सामने आयी है, जो हमे गर्वित कर रही है।

भारत के गणतंत्र में और भी चार–चांद लग रहे हैं, जैसे प्रयागराज हो, काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य– ये अजूबे एवं चौंकाने वाले लगते हैं। इन परिदृश्यों को केवल चुनावी नफा–नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए विशेष रूप से गौरवान्वित करेंगी। वाकई यहां अब कोई संदेह शेष नहीं है कि मोदी सरकार देश व समाज को बदल रही है, लोगों का जीवनस्तर उन्नत कर रही है।

धार्मिक स्थलों को भव्य रूप ही नहीं दिया जा रहा है बल्कि उनसे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाया जा रहा है। इतना ही नहीं, सीमाओं की सुरक्षा भी बेखूबी हो रही है, समुंदर में हजारों किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर भी बिछाया जा रहा है, हर जिले में मेडिकल कॉलेज भी बनाये जा रहे हैं, उन्नत सड़कों का जाल बिछ रहा है, गरीबों को पक्के मकान भी बनाकर दिये जा रहे हैं, रोजगार, पर्यावरण–सुरक्षा, चिकित्सा, शिक्षा की अनूठी व्यवस्थाएं भी हो रही है। मतलब वर्तमान शासन–नायकों को विरासत और विकास की समन्वित चिंता है। हिंदुत्व की चिंता है, तो विकास की भी पूरी फिक्र है। अब सुधार, सुशासन, स्व–संस्कृति, स्व–पहचान के दीपक जल उठे हैं, तो उसकी रोशनी तमाम देशवासियों को नया विश्वास, नया आश्वास, नया विकास एवं सुखद जीवनशैली दे रही है।

भारत के संवैधानिक एवं संप्रभुता सम्पन्न राष्ट्र बनने की 76वीं वर्षगांठ मनाते हुए हम अब वास्तविक भारतीयता का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, नक्सलवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगाववाद की कालिमा धूल रही है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थों के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए हम प्रधानमंत्री के मुख से नये भारत–सशक्त भारत–विकसित भारत को आकार लेने के संकल्पों की बात सुनते हैं। गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाते हुए यही कामना है कि पुरुषार्थ के हाथों भाग्य बदलने का गहरा आत्मविश्वास सुरक्षा पाये। एक के लिए सब, सबके लिए एक की विकास गंगा प्रवहमान हो।

# सांस्कृतिक विरासत स्वर्णिम भारत का पर्याय

– डॉ. शंकर सुवन सिंह–

भारत में वर्ष 2025 में 76 वाँ गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। संविधान लागू हुए 75 वर्ष पूरे हो गए। गणतंत्र दिवस 2025 की थीम–प्रसंग है– 'स्वर्णिम भारत–विरासत और विकास'। गणतंत्र दिवस 2025 के मुख्य अतिथि के तौर पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो को चुना गया। भारतीय संविधान की प्रस्तावना को 13 दिसंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा संविधान सभा में पेश किया गया था। इसे 22 जनवरी 1947 को स्वीकार किया गया था। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अपनाया गया। आजादी के बाद देश को चलाने के लिए डॉ भीमराव अम्बेडकर के नेतृत्व में हमारे देश का संविधान लिखा गया। जिसे लिखने में पूरे 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन लगे। 26 जनवरी 1950 में भारतीय संविधान को लागू किये जाने के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है।

गणतंत्र दिवस की पहली परेड 1955 ई. को दिल्ली के राजपथ पर हुई थी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति तिरंगा फहराते हैं और हर साल 21 तोपों की सलामी दी जाती है। गणतंत्र दो शब्दों से मिलकर बना है। गण और तंत्र। वैदिक काल में गण का शाब्दिक अर्थ था दल,समूह, लोक। तंत्र का शाब्दिक अर्थ होता है डोरा, सूत (रस्सी)। अर्थात ऐसी रस्सी, डोरा, जो लोगों के समूह को जोड़े। लोकतंत्र कहलाता है और यही गणतंत्र है। अतएव हम कह सकते हैं कि गणतंत्र दिवस भारतीय संविधान को लागू किये जाने का द्योतक है। संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द बाद में भारत की भूतपूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी द्वारा भारतीय आपातकाल के दौरान जोड़े गए थे। भारत में आपातकाल (25 जून 1975 – 21 मार्च 1977) के दौरान, इंदिरा गांधी सरकार ने संविधान के बयालीसवें संशोधन में कई बदलाव किए थे। इसी संशोधन के जरिए 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को 'संप्रभु' और 'लोकतांत्रिक' शब्दों के बीच जोड़ा गया और 'राष्ट्र की एकता' शब्दों को 'राष्ट्र की एकता और अखंडता' में बदल दिया गया। भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश है। अतएव भारत में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक दृष्टि से स्वावलम्बन, स्वाभिमानता और समानता परिलक्षित होती है।

स्वावलम्बिता, स्वाभिमानिता और समानता के मूल में स्वाधीनता वास करती है। अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, विचारों की स्वतन्त्रता, विश्वास की स्वतन्त्रता, आस्था और पूजा की स्वतन्त्रता स्वतंत्र भारत की पहचान है। अतएव हम कह सकते हैं कि अक्षुण्ण विरासत और विकास की सेतु पर खड़ा सविधान ही भारतीय गणतंत्र व्यवस्था की पहचान है। आत्मविश्वास का होना ही आपको आत्मनिर्भर बनाता है। भगवद गीता में लिखा है नायं आत्मा बलहीनेन लभ्यः अर्थात यह आत्मा बलहीनो को नहीं प्राप्त होती है। आत्मबल ही आत्मविश्वास की जननी है। आत्मबल और आत्मनिर्भर शब्द एक दूसरे के पूरक हैं। आत्मनिर्भरता, स्वावलम्बी होने को दर्शाता है। स्वावलम्बन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलम्बी अवश्य होना चाहिए। रामराज्य की परिकल्पना मोहनदास करमचंद गांधी की दी हुई थी। गांधीजी ने भारत में अंग्रेजी हुकूमत से मुक्ति के पश्चात ग्राम स्वराज के रूप में रामराज्य की कल्पना की थी। आत्मनिर्भरता, रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित है। आत्मनिर्भर भारत की नींव गांधी के रामराज्य पर टिकी थी। गाँधी जी का स्वराज्य, रामराज्य की परिकल्पना का आधार था। स्वराज का अर्थ है जनप्रतिनिधियों द्वारा संचालित ऐसी व्यवस्था जो जन–आवश्यकताओं तथा जन–आकांक्षाओं के अनुरूप हो। यही स्वराज्य रामराज्य कहलाया। स्वराज का तात्पर्य स्वतंत्रता से है। बिना आत्मनिर्भर हुए स्वतंत्र नहीं हुआ जा सकता है। आत्मनिर्भरता या स्वावलम्बिता स्वतंत्र होने की एक कड़ी है। जब हम स्वतंत्र होंगे तभी हम स्वाभिमानी होंगे अर्थात स्वाभिमानिता के लिए स्वाधीनता जरुरी है। हिन्दुस्तान को गांधी का रामराज्य चाहिए। राम राज्य भगवान राम के पुरुषार्थ और शासन का द्योतक है। भगवान राम सहिष्णुता के प्रतीक थे। राम सत्य के प्रतीक थे। तभी तो भगवान् राम ने रामराज्य स्थापित किया था। आज आत्मनिर्भर भारत बनाने की बात हो रही है और वहीँ दूसरी ओर विदेशी कम्पनियाँ और विदेशी सामान की हिन्दुस्तान में बाढ़ आ गई है। प्रत्येक संस्था का निजीकरण होता जा रहा है। बेरोजगारी बढ़ रही है। आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ा है।

यदि स्वावलम्बन, समानता और स्वाभिमान की बात करनी हो तो गांधी के रामराज्य की कल्पना करनी होगी। अतएव हम कह सकते हैं कि स्वतन्त्रता, गांधी के रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित होनी चाहिए।

# पर्यटन क्षेत्र में अनंत संभावनायें

जीवन में पर्यटन के सर्वाधिक महत्व के कारण ही हर साल 25 जनवरी को भारतीय पर्यटन दिवस मनाया जाता है। भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण, यह दिन देश की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव, जीवन में खुशियां एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर करने के लिए है। इस दिवस की शुरुआत 1948 के बाद आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल से हुई। "अतुल्य भारत" जैसे आयोजनों को बढ़ावा दिया गया है ताकि वैश्विक स्तर पर भारतीय विरासत, पर्यटन सुंदरता एवं समृद्धता को प्रदर्शित किया जा सके। बदलते समय के साथ राष्ट्रीय पर्यटन दिवस नई पहलों, नीतिगत सुधारों और क्षेत्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले दिन के रूप में विकसित हुआ है। राष्ट्रीय पर्यटन दिवस 2025 की थीम 'समावेशी विकास के लिए पर्यटन' है, जो आर्थिक विकास को प्रेरित करने में पर्यटन के महत्व पर प्रकाश डालता है, साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि इसका लाभ भारत में समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन और पर्यटन परम्पराओं को बढ़ावा देने, विविध भारतीय सांस्कृतिक विरासत और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देकर स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना है।

भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन बाजार बनने के लिए तैयार है। भारत में पर्यटन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार बनने की उम्मीद है। 2023 में, भारत में पर्यटन पर होने वाला खर्च 2019 के 127 बिलियन डॉलर से बढ़कर 174 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। सबसे ज्यादा पर्यटक तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित 5 राज्यों में गए, जहाँ कुल मिलाकर 65 प्रतिशत पर्यटक आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से धार्मिक पर्यटन को नये पंख लगे हैं, अयोध्या में बना



भगवान श्रीराम का मन्दिर एवं इनदिनों प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने धार्मिक पर्यटन के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान–प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा दी जा रही है। धार्मिक पर्यटन से देश की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है और लोगों में आस्था बढ़ती है, साथ ही, इससे अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलता है।

उत्तर प्रदेश देश ही नहीं दुनिया का सर्वाधिक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्यटन प्रांत है। देश और दुनिया के हर हिंदू के आस्था के केंद्र भगवान श्रीराम की अयोध्या, राधा–श्रीकृष्ण ने जिस ब्रज भूमि पर रास रचाए थे, श्रीकृष्ण ग्वालबालों के साथ जहां खेले–कूदे, गोपियों के माखन चुराए वह मथुरा, बरसाना, नंदगांव, गोवर्धन भी उत्तर प्रदेश में ही है। वनवास के दौरान भगवान श्रीराम ने पत्नी सीता और अनुज लक्ष्मण के साथ जहां सर्वाधिक समय गुजारा था वह चित्रकूट भी उत्तर प्रदेश में है। इसके अलावा भी प्रदेश के हर जिले या यूं कह लें हर विधानसभा क्षेत्र में ऐसे धार्मिक स्थल हैं जहां प्रतिदिन हजारों लोग जाते हैं। विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन प्रयागराज का महाकुंभ तो इसका चरमोत्कर्ष है। इस चरम के सुखद, सुरक्षित और सफल समापन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद कटिबद्ध हैं। अयोध्या सप्तपुरियों जैसी हो गयी है, इसी क्रम में भोलेनाथ की काशी में श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के बाद वहां सालाना आने वाले पर्यटकों की संख्या 10 करोड़ के करीब हो गई है।

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का महत्व बेहद सीधा और सरल है– देश में पर्यटन की प्रमुखता को उजागर करना और यह भारत की आर्थिक संभावनाओं को प्रभावित करता है। पर्यटन सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को वापस लाने में ही मदद नहीं कर रहा है बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी बन रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन–उद्योग के इर्द–गिर्द घूमती रही है। भारतीय पर्यटन दिवस वैश्विक पर्यटक को बढ़ावा देने के प्रयास हेतु मील के पत्थर के रूप में देखा जाता है एवं इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विश्व में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सामाजिक विरासत को जीवंतता देना एवं उसके प्रति जन जागरूकता फैलाना है। देश की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी–रोटी भी जुड़ी है। आज भारत जैसे देशों को देखकर ही विश्व के लगभग सभी देशों में पुरानी और ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षण, संवर्द्धन किया जाने लगा है।

–ललित

# अंधविश्वास में युवक की पीट–पीटकर हत्या, बेटे की हालत नाजुक

संवाददाता–बहराइच। शनिवार को आरोपियों ने युवक की पीट–पीटकर हत्या कर दी। जबकि उसके बेटे को घायल कर दिया। परिजनों ने पटीदारों पर अंधविश्वास और जमीनी रंजिश के चलते घटना को अंजाम देने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने घटना की जानकारी ली। घटना रामगांव थाना क्षेत्र के पासिनपुरवा गांव की है। मूल रूप से रेहुआ मंसूर गांव निवासी अशोक कुमार (40) साइकिल से अपने बेटे शिवम (15) के साथ लोनिनयपुरवा मजदूरों को पैसे देने जा रहा था। पत्नी सुमन का आरोप है रास्ते में पासिनपुरवा के पास गांव निवासी चचेरे ससुर और उनके परिजनों ने बाइक से टक्कर मारकर गिरा दिया।

इसके बाद लाठी–डंडे, लोहे की रॉड और अद्धी से जमकर पीटा। सूचना पर परिजन मौके पर आए और दोनों को लेकर रमपुरवा सीएचसी लेकर पहुंचे। यहां से दोनों को मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान अशोक ने दम तोड़ दिया।

वहीं बेटे शिवम की हालत गंभीर देखते हुए ट्रॉमा सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। अशोक के पिता बेचेलाल का आरोप है उनका अपने चचेरे भाइयों से कुछ सालों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। लगभग तीन साल पहले उनके घर की एक बेटी और छह माह पहले बेटे ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया था।

इसी बात को लेकर आरोपी जादू–टोने का आरोप लगाते हुए आए दिन विवाद करते थे। शनिवार को बेरहमी से पिटाई कर बेटे की हत्या कर दी। पोता शिवम गंभीर रूप से घायल है। मृतक अशोक के तीन बेटे और एक बेटी है। खेती करके परिवार का भरण–पोषण करते थे। मौत से पत्नी रो–रोकर बेसुध हो गई।

अशोक की पत्नी सुमन का आरोप है दस दिन पहले हमलावरों ने विवाद करते हुए पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस से शिकायत करने पर दोनों पक्षों को बैठाकर पुलिस ने समझौता करा दिया था। अगर पुलिस उसी दिन आरोपियों पर कार्रवाई कर देती तो आज उनके पति जिंदा होते।

थाना प्रभारी आलोक सिंह ने कहा कि घटना की जानकारी होते ही मौके और टीम के साथ पहुंचे थे और अस्पताल पहुंचाया था। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

# बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का फूल मालाओं के साथ किया स्वागत



–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। शनिवार को बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने बसपा के वरिष्ठ नेता अनिल कुमार गौतम के संयोजन में छावनी सहित अनेक स्थानों पर फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया। वे कुदरहा कस्बे में जन नायक कर्पूरी ठाकुर के जयन्ती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे थे। बसपा नेता अनिल कुमार गौतम ने प्रदेश अध्यक्ष को बसपा के गतिविधियों की प्रदेश अध्यक्ष को विस्तार से जानकारी दी। प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और आगामी विधानसभा 2027 के चुनाव में निर्णायक जीत के लिये पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता जुट जांय। कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री मायावती के संकल्प तभी पूरे होंगे जब बसपा की मजबूत सरकार बने।

प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का स्वागत करने वालों में शिवशंकर चौधरी, अनिल आजाद, शिवम आजाद, अरविन्द आर्य, कृपाशंकर गौतम, शिव गणेश, अश्विनीराज, राजकुमार, बृजेश राव, प्रकाश गौतम, एडवोकेट सुनील, विजय, शेखर गौतम, शिव कुमार, रामसागर उर्फ पप्पू, संजय मौर्य, अमरनाथ शर्मा, साधूशरन बजरंगी आजाद आदि शामिल रहे।

# मतदाता दिवस की रही धूम, दिलाई गई शपथ

संवाददाता–महराजगंज। शनिवार को जिले में मतदाता दिवस की धूम रही। जगह–जगह मतदाता दिवस का आयोजन कर मतदान करने की शपथ दिलाई गई। कलक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने वाले बीएलओ व सुपरवाइजर को प्रमाण पत्र दिया गया। कलक्ट्रेट परिसर में डीएम अनुनय झा की मौजूदगी में मतदाता दिवस मनाया गया। इस दौरान डीएम ने लोगों को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि अपने मत की ताकत को पहचानना जरूरी है। अपने मत का प्रयोग प्रलोभन व पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर नहीं करना





चाहिए। अपने मत का प्रयोग करके लोकतांत्रिक सरकार को चुन सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन अरविंद कुमार ने किया। इस दौरान एसडीएम सदर रमेश कुमार, डीआईओएस प्रदीप कुमार शर्मा, एसडीएम शिवाजी, जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी, तहसीलदार पंकज शाही, नायब तहसीलदार देशदीपक आदि मौजूद रहे। डॉ. भीमराव आम्बेडकर राजकीय महा विद्यालय में भी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार पाल ने मतदान के इतिहास व ताकत की जानकारी दी। आचार्य डॉ. सत्यप्रकाश ने बताया कि 18 वर्ष की आयु पूरा करने वाले सभी युवक–युवतियां मतदाता बन सकते हैं। इस दौरान प्राध्यापक डॉ. मोहम्मद शमीम, डॉ. राकेश कुमार यादव, डॉ. चंदन कुमार, डॉ. प्रेरणा पाठक, डॉ. सरिता वर्मा, डॉ महेन्द्र चौधरी, बुद्धिराम आदि मौजूद रहे। डीएम ने पांच पांच नए मतदाताओं को सम्मानित किया। इसमें नए मतदाताओं के अलावा दिव्यांग मतदाता, वृद्ध मतदाताओं को सम्मानित किया। डीएम ने बेहतर कार्य करने वाले बीएलओ व सुपरवाईजरों को सम्मानित किया। इसमें सदर तहसील के 11 सुपरवाजर, 25 बीएलओ को प्रशस्ति देकर हौसला बढ़ाया। कलक्ट्रेट पर मतदाता दिवस के मौके पर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सदर, कम्पोजिट विद्यालय सोनरा के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। इसके अलावा आरके शनशाइन, महराजगंज इंटर कालेज महराजगंज, जीएसवीएस इंटर कालेज महराजगंज, पंडित दीनदयाल इंटर कालेज के बच्चों ने मतदाता जागरुता रैली निकाली।

# मौके पर जाकर निस्तारित करें भूमि विवाद की शिकायतें

संवाददाता–श्रावस्ती। शनिवार को सभी थानों में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें डीएम व एसपी समेत अन्य अधिकारियों ने लोगों की शिकायत सुनी। डीएम ने भूमि विवाद की शिकायतों को मौके पर जाकर निस्तारित करने का निर्देश दिया। कोतवाली भिनगा में आयोजित थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने लोगों की शिकायत सुनी। इस दौरान तीन राजस्व व दो पुलिस विभाग से संबंधित कुल पांच शिकायती पत्र मिले। जिसमें से एक शिकायत का मौके पर निस्तारण कराया गया। डीएम ने कहा कि समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का समय से निस्तारण किया जाय। उन्होंने कहा कि यदि भूमि विवाद से संबंधित शिकायत प्राप्त हो तो राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर जांच करे और बिना पक्षपात के निस्तारण कराएं। लापरवाही मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। वहीं एसपी ने थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों का संज्ञान लेकर तुरंत मौके पर जाएं और प्रकरण की जांच कर कार्रवाई करें। निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता को फोन आदि के माध्यम से सूचित भी करें। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्या का समाधान करना पहली प्राथमिकता पर रखें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। थाना समाधान दिवस में कुल 36 शिकायतें मिलीं। जिसमें से दो का मौके पर निस्तारण कराया गया।

# ट्रक व कार में हुई भिड़ंत, कार सवार एक घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। नेशनल हाइवे 730 पर अनियंत्रित ट्रक व कार में टक्कर हो गई। जिसमें कार सवार एक व्यक्ति गंभीररूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सीएचसी में भर्ती कराया जिसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कोतवाली भिनगा के लखाही बेनी नगर निवासी राम कुमार यादव अपने परिवार के साथ कार से कुम्भ मेला प्रयागराज गये थे। राम कुमार का रिस्तेदार जनपद बलरामपुर थाना महाराजगंज के कनहरा गांव निवासी घनश्याम पुत्र प्रेम सागर भी साथ गया था। शुक्रवार को सभी प्रयागराज से वापस घर लौट रहे थे। देर रात वह इकौना थाना क्षेत्र के इकौना बाई पास पहुंचे थे। इस दौरान चावल लादकर एक ट्रक बहराइच से बलरामपुर की ओर से जा रहा था। बाई पास पर पहुंचते ही अचानक ट्रक की आगे की कमानी टूट गई और धुरा सहित पहिया निकल गया। इससे ट्रक अनियंत्रित होकर कार को टक्कर मारते हुए नाले की छत पर चढ़ गया। हादसे में कार सवार घनश्याम गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना पर इकौना थाना प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार दूबे टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद घायल को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए घायल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

# नहर किनारे मिली लापता युवक की साइकिल

संवाददाता–श्रावस्ती। एक युवक शुक्रवार शाम से लापता था। परिवारीजनों की खोज के दौरान उसकी साइकिल शनिवार मुख्य सरयू नहर के किनारे पड़ी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस स्थानीय गोताखोर के सहयोग से युवक की नहर में तलाश करा रही है। मामला सोनवा के हुसैनपुर खुरुहूरी का है। यहां के निवासी दद्दू तिवारी सोनवा थाने में फालवर है। जिनकी ड्यूटी मौजूदा समय प्रयागराज कुंभ में लगी है। दद्दू तिवारी का पुत्र सुधीर तिवारी (18) शुक्रवार शाम घर से साइकिल लेकर निकला था। इसके बाद से वह वापस घर नहीं लौटा। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। जानकारी न होने पर परिजनों ने इसकी सूचना दद्दू तिवारी को दी। सूचना के बाद दद्दू प्रयागराज से शनिवार सुबह वापस घर लौट कर सुधीर की तलाश करने लगा।

# संविधान की रक्षक है भाजपा– राधेश्याम कमलापुरी



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को भारतीय जनता पार्टी गौर मण्डल अध्यक्ष राजेश कमलापुरी के नेतृत्व में ग्राम सभा कछिया में संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता ग्राम प्रधान जोखू प्रसाद ने किया। भाजपा किसान मोर्चा क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष गोरखपुर क्षेत्र राधेश्याम कमलापुरी ने कहा कि संविधान भारत की आत्मा है। इस संविधान को बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर ने बहुत सोच समझकर भारतीय संस्कृति को देखते हुए बनाया था,जिसमें राम राज्य की कल्पना की गई थी। लेकिन कांग्रेस ने अपने शासनकाल के दौरान 50 वर्षों में संविधान को तोड़ने का ही प्रयास किया है। 356 धारा का दुरुपयोग, इमरजेंसी धर्मनिरपेक्ष और वक्फ बोर्ड कहीं भी संविधान के अंग नहीं थे। पर कांग्रेस अपने वोट को साधने के लिए संविधान को अपने जरूरत के अनुसार तोड़ा,मरोड़ा और ठीकरा भाजपा पर फोडती है। कहती है कि भाजपा संविधान बदल देगी। जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। भाजपा संविधान का सम्मान करती है। भाजपा की संयुक्त सरकार के समय बाबा साहब को भारत रत्न भी दिया गया। आज भाजपा उनके जन्मस्थली को और यादगार बनाते हुए पंच तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है। कहा कि भाजपा सच्चे अर्थों में संविधान के अनुरूप लोक कल्याण को गति दे रही है।

कार्यक्रम में प्रदीप दूबे, दिलीप सिंह, कैलाश नाथ बाल्मीकि, जितेन्द्र, राम लौट, राम अछैवर, अजय बाल्मीकि, रामजीत गुप्ता, कृष्ण कुमार तिवारी, महबूब खान, राजेश नारायण आदि मौजूद रहे।

# निःशुल्क शिविर में 4296 नेत्र रोगियों का किया गया प्रशिक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। पीपाद्वाराचार्य स्वामी बलराम दास महाराज वृंदावन ,की सदप्रेरणा व मणिराम दास छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास जी के आशीर्वाद एवं महंत कमल नयन दास महाराज के मार्गदर्शन में करुणा निधान सेवा ट्रस्ट कोलकाता के सहयोग से ज्योति महायज्ञ के रूप में एक माह तक चलने वाले निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का समापन समारोह श्री दीन बंधु नेत्र चिकित्सालय अयोध्या में आयोजित किया गया, शिविर का आयोजन 1 जनवरी 2025 से 25 जनवरी तक आयोजित किया गया था। जिसमें श्री करुणा निधान सेवा ट्रस्ट कोलकाता के विशेष सहयोग से आयोजित इस शिविर में 4296 नेत्र रोगियों का परीक्षण किया गया तथा ग्रामीण अंचलों से आये 1507 नेत्र रोगियों का निशुल्क मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन सम्पन्न किया गया।2789 नेत्र रोगियों को चश्मे की व्यवस्था की गयी। सभी नेत्र रोगियों और सहयोगियों को जलपान, भोजन की व्यवस्था करुणा निधान ट्रस्ट के माध्यम से की गयी।

मुख्य अथिति अमेरिका से शंकरा नेत्र चिकित्सालय के प्रतिनिधि के रूप में पधारे रमेश गनात्रा और उनकी धर्मपत्नी थी। संत श्री बलराम दास महाराज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।विशिष्ट अथिति के रूप में शिविर के आयोजक करुणा निधान ट्रस्ट से आनंद अग्रवाल कोलकाता



से विशेष रूप से उपस्थित रहे।संस्था के पदाधिकारी उमा दत्त मिश्रा ने संस्था की ओर से आगतुको का स्वागत किया। चिकित्सालय के प्रबंधक डी. एन मिश्रा ने संस्था की प्रगति आख्या और शिविर की संयोजना पर प्रकाश डाला। कल्याणम करोति से उदय भान पाठक, हनुमान मिश्रा, श्री वीरेंद्र, श्री राम कृपाल, श्री लक्ष्मण तिवारी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए महती भूमिका निभाई।अंत में सभी नेत्र रोगियों को मिष्ठान और भोजन देकर विदा किया गया। महामंत्री राष्ट्र गौरव शर्मा जी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

# डाली काटने पेड़ पर चढ़े मजदूर की हाईटेंशन करंट से मौत



संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा कस्बे के मधुबन नगर मोहल्ले में शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया। एक पेड़ की डाल काटने चढ़े मजदूर की हाईटेंशन करंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। करंट के झटके से गिरे मजदूर को आस–पड़ोस के लोग तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, लेकिन तब तक वह दम तोड़ चुका था। जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच–पड़ताल में जुटी हुई है। नेपाल के रुपन्देही के गांव बोगड़ी निवासी चिनक यादव भारतीय बाजारों में घरों की दिहाड़ी मजदूरी का काम करता था। शनिवार की सुबह वह मधुबन नगर मोहल्ले में काम की तलाश में पहुंचा था। मोहल्ले के एक व्यक्ति द्वारा पेड़ काटने की बात पर वह तैयार हो गया और पेड़ की डाल काटने पेड़ पर चढ़ गया। बताया जा रहा है कि अभी वह पेड़ पर चढ़कर कुछ ही डालियों को काटना शुरू ही किया था कि अचानक पास से ही गुजर रहे हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। करंट के जोरदार झटके से वह पेड़ से गिरकर जमीन पर आ गया। आस–पड़ोस मौजूद लोगों ने जमीन पर गिरा देख उसे तत्काल सीएचसी ले गए। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उसके परिजनों को सूचित कर मौके पर बुला लिया गया है। धर्मेंद्र कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि करंट लगने से एक शख्स की मौत की सूचना पर पुलिस टीम पहुंची थी। शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच कर जरूरी कार्रवाई होगी।

# सामूहिक विवाह में 46 जोड़ों ने लिए सात फेरे

संवाददाता–श्रावस्ती। शनिवार को कलेक्ट्रेट हाल में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। जिसमें 46 जोड़ों के एक दूजे के साथ रहने का संकल्प लेते हुए सात फेरे लिए। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने नव विवाहित जोड़ों को उपकार दिए। सामूहिक विवाह का शुभारंभ अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्रा, विधायक रामफेरन पाण्डेय, जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी, जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने द्वीप प्रज्वलित कर एवं कलश की पूजा कर किया। विवाह के बाद जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी ने वर–वधुओं को उपहार भेंट कर आशीर्वाद दिया। इसके तहत धार्मिक मान्यता एवं परम्परा तथा रीति–रिवाज के अनुसार विवाह कराया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी डा अमर नाथ यति ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के तहत कुल 46 जोड़ों का विवाह कराया गया। जिसमें विकास खण्ड इकौना के 15 जोड़े, गिलौला के 10 जोड़े, हरिहरपुररानी के 06 जोड़े, जमुनहा के 05, सिरसिया के 05, नगर पालिका भिनगा के 04 एवं नगर पंचायत इकौना का एक जोड़ा शामिल रहा। जिसमें अल्पसंख्यक वर्ग के 09, अन्य पिछड़ा वर्ग के 19, अनुसूचित जाति के 10, अनुसूचित जनजाति के 03 एवं सामान्य वर्ग के 05 जोड़े सम्मिलित रहे। इस अवसर पर उप निदेशक समाज कल्याण डा प्रज्ञा शंकर, अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा, प्रकाश चन्द्र, सुभाष सत्या, खण्ड विकास अधिकारी व अन्य लोग मौजूद रहे।

# पेड़ से गिरे व्यक्ति की सिर फटने से हुई मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। बकरी के चारे के लिए एक व्यक्ति पीपल के पेड़ पर चढ़ कर पत्तियां तोड़ रहा था। इस दौरान अचानक डाल टूट गई और वह डाल सहित नीचे गिर गया। इससे उसका सिर फट गया और मौके पर ही मौत हो गई। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोकल के मजरा मुरावनपुरवा निवासी नानबाबू (42) पुत्र बाबादीन शनिवार सुबह बकरी के चारे के लिए पीपल की पत्तियां तोड़ने गया था। इस दौरान वह पास के ही मटखनवा गांव के पास पहुंच कर वहां लगे पीपल के पेड़ पर चढ़ गया और कुल्हाड़ी से पत्तियों सहित टहनियां काटने लगा। तभी जिस डाल पर वह बैठा हुआ था अचानक वह डाल टूट गई और वह डाल सहित सिर के बल नीचे गिर गया।

गणतंत्र दिवस पर शुभकामनायें

पराग



"पराग है सेहत की धारा"
"सदैव पराग पाश्चुराईज्ड दूध का प्रयोग करें"

एवं

विभिन्न बीमारियों से बचें।
दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0, अयोध्या परिवार के तरफ से समस्त दुग्ध उत्पादकों तथा पराग उपभोक्ताओं को

:- गणतंत्र दिवसः-

के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें

एवं दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0, अयोध्या के उच्च गुणवत्तायुक्त पराग उत्पाद दूध, घी, मक्खन, पनीर, मट्ठा, मीठी दही, सादी दही, पेड़ा, बेसन लड्डू, सोनपपड़ी, गुलाब जामुन, रसगुल्ला, फ्लेवर्ड मिल्क, छेना खीर, मिल्क केक, कलाकन्द आदि

"पराग दूध है जहां, स्वस्थ जीवन है वहां
पराग दूध एवं दुग्ध पदार्थ प्राकृतिक है।
पराग दूध अपनायें–सुखी जीवन बितायें।"

आशीष कुमार श्रीवास्तव, सामान्य प्रबन्धक
आनन्द कुमार सिंह 'मोनी', अध्यक्ष

दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0 अयोध्या

पत्रांक /दुसंअयो/प्रशा0/2025    दिनांक 24-1-2025

## गोरखपुर–अयोध्या फोरलेन की बदलेगी सूरत, टूटे हिस्से में बनेगी नई सड़क

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर–लखनऊ फोरलेन मार्ग पर पड़े बड़े–बड़े गड्ढों से होने वाली दुश्वारियों से जल्द ही बड़ी आबादी को राहत मिल जाएगी। अगले माह के पहले पखवारे तक इस सड़क की सूरत बदलने का काम शुरू हो जाएगा। पूरे मार्ग का जो भी हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है, एनएचएआइ उसकी पैचिंग नहीं, बल्कि नीचे के स्तर को उखाड़ कर नए सिरे से उसे बनाएगा। इसपर करीब दो सौ करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस मार्ग के गोरखपुर–अयोध्या खंड की मरम्मत एनएचआइ के पीआइयू (परियोजना क्रियान्वयन इकाई) गोरखपुर को सौंपी गई है। पीआइयू की ओर से सर्वे कर तैयार किए गए डीपीआर को एनएचएआइ मुख्यालय ने मंजूरी भी दे दी है। करीब दो सौ करोड़ रुपये की इस परियोजना को एक साल में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यद्यपि, गोरखपुर पीआइयू के अधिकारियों का कहना है कि इससे पूर्व ही निर्माण कार्य पूरा करने की कोशिश की जाएगी।

गोरखपुर–अयोध्या फोरलेन मार्ग पर जगह–जगह गड्ढे पड़ गए हैं। कई स्थानों पर तो सड़क की उपरी परत ही उजड़ गई है। कुछ स्थानों पर तो गड्ढे इतने बड़े हैं कि दुर्घटना की वजह बन रहे है। गोरखपुर से लखनऊ फोरलेन पर संतकबीरनगर, बस्ती होते हुए अयोध्या तक पड़े गड्ढों की करीब पांच माह पूर्व मरम्मत कराई गई थी लेकिन, ट्रैफिक लोड अधिक होने की वजह से फिर से सड़क की गिट्टियां निकलने लगी है। एनएचएआइ के अभियंताओं ने सर्वे करके इसकी वजह तलाशी तो सामने आया कि सड़क के निचले स्तर से ही इसे दुरुस्त कराने पर सड़क सही हो सकेगी। इसी बीच गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यालय के अधिकारियों ने भी अयोध्या तक फोरलेन का निरीक्षण किया था। इसके बाद से ही सड़क को स्थायी तौर पर दुरुस्त करने की कवायद तेज हुई। एनएचएआइ ने डीपीआर तैयार कर मुख्यालय को भेजा था। विभाग के मुताबिक गोरखपुर से अयोध्या तक करीब 134 किमी लंबे फोरलेन के 70 से 80 किमी तक के हिस्से की सड़क सुगम नहीं रह गई है।

## शैक्षिक उन्नयन के अग्रदूत थे श्रीकृष्ण पाण्डेय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्रीकृष्ण पाण्डेय इण्टर कालेज व श्रीमती कृष्ण कुमारी पाण्डेय बालिका इंटर कालेज बस्ती के संस्थापक श्रद्धेय स्व श्रीकृष्ण पाण्डेय जी की जयंती शनिवार को वार्षिकोत्सव के रूप में सतरंगी कार्यक्रमों के साथ उल्लासपूर्वक मनायी गई।इस अवसर पर मेधावी व विविध पाठ्य सहगामी गतिविधियों में सहभागी रहे विद्यालय के 70 छात्र छात्राओं को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया गया।

मुख्य अतिथि गोरखपुर विश्वविद्यालय कार्य परिषद के पूर्व सदस्य सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य गणेश पाण्डेय, प्रबंधक अजय कुमार पाण्डेय,अध्यक्ष डा राकेश पाण्डेय व विशिष्ट अतिथि श्रीमती कृष्ण कुमारी पाण्डेय बालिका इंटर कालेज के प्रबंधक विन्दवासिनी पाण्डेय ने मां सरस्वती व संस्थापक जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्र छात्राओं ने मां सरस्वती की भावपूर्ण वन्दना कर, अतिथियों के स्वागत में गीत प्रस्तुत किया।अतिथियों का स्वागत कर प्रधानाचार्य योगेश शुक्ल ने कार्यक्रम की रूपरेखा व गौरवशाली अतीत प्रस्तुत करते हुए भविष्य की योजनाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। मुख्य अतिथि श्री पाण्डेय ने कहा कि श्रद्धेय श्रीकृष्ण पाण्डेय जी ने असहाय और कमजोर परिवार के बच्चों की समुचित शिक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर कई शैक्षिक संस्थान खोले। उनका सत्प्रयास सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

### –जयन्ती पर वार्षिकोत्सव के रूप में सतरंगी कार्यक्रमों की धूम

प्रबंधक अजय कुमार पाण्डेय ने कहा कि बाबा जी ने शैक्षिक उत्थान की जो मशाल जलाई, उससे आज भी हजारों परिवार आलोकित हो रहे हैं। विद्यालय को निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रखना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रबंध समिति के अध्यक्ष सेवानिवृत्त प्राचार्य डा. राकेश पाण्डेय ने कहा कि संस्थापक जी शैक्षिक उन्नयन के अग्रदूत थे। उन्होंने आजीवन गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा देने का संकल्प लेकर कार्य किया। विशिष्ट अतिथि विन्दवासिनी पाण्डेय व उपप्रबंधक अक्षत पाण्डेय ने भी स्व श्रीकृष्ण पाण्डेय के त्याग व समर्पण को अनुकरणीय बताया। शिक्षिकाओं सुनीता पाण्डेय,अन्नपूर्णा पाण्डेय,विनीता, अनुराधा,रितु गुप्ता के कुशल संयोजन में छात्र छात्राओं ने भजन,समूह नृत्य,देशभक्ति गीत और लघु नाटिका प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। पढ़ाई तथा विद्यालय की विविध पाठ्य सहगामी गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 70 छात्र छात्राओं को अतिथियों ने पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। प्रबंधक,अध्यक्ष और उपप्रबंधक व प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिह्न व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।साथ ही विद्यालय के शिक्षक गिरीश चन्द्र चौबे,सुभाष चन्द्र चौधरी,धर्मेन्द्र बहादुर पाल,अनुचर राजेश सिंह रमेश चौधरी को भी उत्तरीय भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक कृष्ण कुमार ने किया। प्रधानाचार्या श्रीमती कृष्ण कुमारी पाण्डेय बालिका इंटर कालेज डा सुरभि सिंह, जागरण पब्लिक स्कूल के संस्थापक प्रदीप पाण्डेय,कामाख्या पाण्डेय,देवेन्द्र तिवारी,गिरीश चन्द्र चौबे,बलबीर, सुनील त्रिवेदी ने भी संस्थापक जी के व्यक्तित्व व कृतित्व की जमकर सराहना की। कार्यक्रम में अजय कुमार,अमित दुबे,राजेश मणि त्रिपाठी, सुभाष चन्द्र चौधरी,अशोक पाण्डेय,राजेन्द्र कुमार,प्रियदर्शन,जय सिंह,राममोहन सिंह, अमित कुमार,अमित त्रिपाठी,सौरभ मिश्र, धर्मेन्द्र बहादुर पाल, विकास सिंह,उमेश श्रीवास्तव,संदीप कुमार पाण्डेय, ओमनारायण शुक्ल,चन्द्रभूषण पाण्डेय,अविनाश धर द्विवेदी,मनीष त्रिपाठी, सत्यप्रकाश पाण्डेय,शचि मिश्रा,अभय श्रीवास्तव शिव कुमार गुप्ता,सूरज कुमार,रमेश मिश्र राजेश सिंह,रमेश चौधरी,प्रीतम मिश्र समेत सभी शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

## डा. विभा दत्ता बनी एम्स गोरखपुर की नई ईडी

संवाददाता–गोरखपुर। डा. विभा दत्ता को एम्स गोरखपुर का नया ईडी बनाया गया है। वह इस एम्स की दूसरी स्थाई कार्यकारी निदेशक होंगी। पहली कार्यकारी निदेशक डा. सुरेखा किशोर थीं। डा. दत्ता एम्स नागपुर की निदेशक रह चुकी हैं। संभावना जबकि जल्द कार्यभार ग्रहण कर लेंगी। डा. विभा दत्ता डा. अजय सिंह का स्थान लेंगी। उनका कार्यकाल रविवार को समाप्त हो रहा है। डा. विभा 2018 से 2023 तक नागपुर एम्स की निदेशक रह चुकी हैं। यहां उन्होंने वेलफेयर के लिए कई योजनाएं शुरू की थीं। बता दें कि गोरखपुर एम्स में लंबे समय से अस्थाई ईडी के भरोसे काम चल रहा था।

## गरीबों की मजबूत आवाज थे कर्पूरी ठाकुर- विश्वनाथ पाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कुदरहा कस्बे में भारत रत्न जन नायक कर्पूरी ठाकुर के 101 वीं जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि बाबा साहब के संविधान का ही परिणाम है कि समाज के दलित, वंचित, उपेक्षित समाज को राजनीतिक धारा में आने का मौका मिला। कहा कि जन नायक कर्पूरी ठाकुर ने बिहार में गरीबों को अधिकार दिलाने के लिये जो संघर्ष किया उसे आगे बढाने की जरूरत है। वे दो बार मुख्यमंत्री बने किन्तु अहंकार छू तक नहीं किया गया था। कहा कि सुश्री मायावती गरीबों, दलितों, अल्पसंख्यक समाज को उनके अधिकार दिलाने के लिये संघर्ष के साथ ही कर्पूरी ठाकुर के अधूरे सपनों को पूरा करने में जुटी हैं।

बसपा नेता विजयनन्द नाई, पूर्व विधानसभाध्यक्ष के.सी. मौर्य, गुरुदेव निगम, कृष्णकान्त मणि, राकेश गौतम, छटंकी गौतम, विष्णु सक्सेना, राम प्रसाद मास्टर, राजराम, कृपाल गौतम और रामसागर के संयुक्त प्रयास से आयोजित कार्यक्रम में विश्वनाथ पाल ने कहा कि अपने अधिकारों को जानिये और उसके लिये रचनात्मक संघर्ष जारी रखे। अध्यक्षता करते

## –बसपा के कार्यकम में कर्पूरी ठाकुर के योगदान पर विमर्श

हुये पूर्व विधायक भगवानदास ने कहा कि हमें कर्पूरी ठाकुर के संघर्षों से प्रेरणा लेकर आगे बढेगा। संचालन करते हुये पूर्व मण्डल प्रभारी के.पी. राठौर ने जन नायक कर्पूरी ठाकुर के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। राष्ट्रीय मिशन गायक रविराज बौद्ध , प्रीती बौद्ध और साथियों ने गीतों के माध्यम से संदेश दिया।

कार्यकम को विशिष्ट अतिथि लालचंद निषाद, सीताराम शास्त्री, लवकुश पटेल, धर्मदेव प्रियदर्शी, सुभाष गौतम आदि ने सम्बोधित करते हुये कर्पूरी ठाकुर के योगदान पर चर्चा किया। मुख्य रूप से अनूप कुमार, उमाशंकर, युगुल किशोर चौधरी, अनिल कुमार गौतम, हरिश्चन्द्र, बंशीलाल, परमात्मा, रत्नेश, गौड़ महेश चन्द्रबंशी, रामचेत निराला, रामलला गौड़, अनिल आजाद, ठाकुर प्रेमनन्दबंशी, उत्तम, राजेश, संजय शर्मा, राम अचल शर्मा, शत्रुघ्न शर्मा, आशाराम शर्मा, प्रदीप शर्मा, संदीप शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, सत्य शर्मा, रामकेश भारती, बब्लू पाल, आशुतोष सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में बसपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

## सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स थानाक्षेत्र के कोनी चौराहा पर सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। एम्स थाना क्षेत्र के बहरामपुर बड़ी कुरमौल निवासी मुकेश उर्फ मोछू (30) पुत्र रामदयाल पासवान बाइक से सोनबरसा से घर आ रहा था। कोनी के पास डंपर से ठोकर लग जाने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। वह एक पुत्र का पिता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वह अपने पिता का कमाऊ पुत्र था। उसकी मौत से घर व गांव में में कोहराम मच गया है।

## डा.विनोद कुमार

प्रभारी चिकित्साधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मरवटिया
जनपद– बस्ती

## तक्षक जगत से पृथक नहीं–देवर्षि त्रिपाठी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । श्री बाबा झुंगीनाथ धाम में 7 दिवसीय श्रीविष्णु महायज्ञ संत सम्मेलन में श्रीमद्भागवत कथा के छठवे दिन व्यासपीठ से आचार्य देवर्षि त्रिपाठी ने कहा कि तक्षक जगत से पृथक नही है, वह भी ब्रम्ह रूप है। शुकदेव जी ने परीक्षित को ब्रम्ह का दर्शन कराकर निर्भय कर दिया। कथा को विश्राम देते हुये महात्मा जी ने कहा कि सतकर्म का कोई अंत नहीं। कथा सुनकर जीवन में उतारेंगे तो श्रवण सार्थक होगा।

महात्मा जी ने कहा कि मनुष्य का शरीर ही वह कुरुक्षेत्र है जहां निवृत्ति और प्रवृत्ति का युद्ध होता रहता है। इस शरीर रथ को जो श्रीकृष्ण के हाथों में सौंप देता है उसे विजय श्री मिलती है । सुदामा ने ईश्वर से निरपेक्ष प्रेम किया तो उन्होने सुदामा को अपना लिया और अपने जैसा वैभवशाली भी बना दिया। जीव जब ईश्वर से प्रेम करता है तो ईश्वर जीव को भी ईश्वर बना देते हैं।

महात्मा सन्तोष शुक्ल ने सुदामा चरित्र, उद्धव जी का भगवान की चरण पादुका लेकर बदरिकाश्रम

## –श्री बाबा झुंगीनाथ धाम में 7 दिवसीय श्रीविष्णु महायज्ञ

जाने, यदुकुल संहार और भगवान के स्वधाम गमन, और कलयुग के धर्मो के वर्णन सहित अनेक प्रसंगो का वर्णन करते हुये कहा कि ज्ञानयोग, निष्काम कर्मयोग, भक्तियोग का ज्ञान देते हुये भगवान कृष्ण ने कहा कि उद्धव इस अखिल विश्व में मैं ही व्याप्त हूं, ऐसी भावना करना। सुख दुख तो मन की कल्पना है। जो सदगुणो से सम्पन्न है वह ईश्वर है और असंतुष्ट व्यक्ति दरिद्र।

संयोजक ध्रुवचन्द्र पाठक ने बताया कि 26 जनवरी को हवन, यज्ञ, भण्डारे के साथ अनुष्ठान सम्पन्न होगा। कथा में मुख्य यजमान गुरु प्रसाद गुप्ता, उदय नरायन पाठक, सीता पाठक, जगदम्बा पाण्डेय, शीतला गोस्वामी, शिवमूरत यादव, रामसुन्दर, उदयनरायन पाठक, ओम प्रकाश पाठक, परमात्मा सिंह, अनिल पाठक, मनोज विश्वकर्मा, नरेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी, त्रियुगी नारायण त्रिपाठी, हृदयराम गुप्ता, पिन्टू मिश्रा, बब्लू उपाध्याय, रामसेवक गौड़, उर्मिला त्रिपाठी, बीरेन्द्र ओझा , अमरजीत सिंह , शुभम पाठक , राम बहोरे , उमेश दुबे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रोता उपस्थित रहे।

### अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–T 202517140200348
धारा 38(1) उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय भानपुर जिला–बस्ती

राजेश कुमार मिश्र आदि
बनाम
तबारक आदि

1. तबारक पुत्र अमीन साकिन हसनापुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. राजपती पत्नी राम आनन्द 3. श्रीमती घिराजी पत्नी बाबूराम 4. मो0 हुसेन पुत्र नसीबुल्लाह 5. सैदा हुसेन पुत्र नसीबुल्लाह साकिन हसनपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती 6. श्रीराम पुत्र त्रिभवन 7. शिव कुमार पुत्र रामशंकर 8. श्रीमती झिनका पत्नी रामशंकर साकिन धवरपारा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

9. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति रेहारजंगल तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती

**तारीख पेशी 03–02–2025**

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 03 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 24 माह 01 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

## इंडो नेपाल बॉर्डर पर मादक पदार्थों की तस्करी हर हाल में रोकी जाए –डीआईजी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नेपाल सीमा पर बढ़ती तस्करी को रोकने के लिए बड़ी कार्रवाई की तैयारी की गई है। डीआईजी बस्ती परिक्षेत्र दिनेश पी. ने कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर और एसएसबी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी पर विशेष ध्यान दिया गया। एसएसबी और पुलिस अधिकारियों ने खुफिया जानकारियों के आदान–प्रदान, अवैध कारोबार में शामिल लोगों की पहचान और उन पर कार्रवाई की रणनीति पर चर्चा की। इसके साथ ही प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी और उनके दुरुपयोग को रोकने के उपायों पर भी विचार–विमर्श किया गया।डीआईजी ने सीमावर्ती क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने और चेकिंग को और अधिक सख्त करने के निर्देश दिए। डीआईजी ने नशे के कैरियर पर कड़ी कारवाई करने का निर्देश दिया है।

बैठक में अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी, सीमावर्ती थानों के प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष और एसएसबी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।


दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुमी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com